11 छत्तीसगढ़ के जंगल

F36NJ6

जंगल घूमा चाचाजी ने
दूरबीन ले साथ में।

दूर–दूर की चिड़िया दिखती
उनको अपने पास में

ऊँचे पेड़ पे चढ़के देखा
एक तेंदुआ नीचे।

तभी अचानक देखा बंदर
दौड़ा उसके पीछे।

चाचाजी ने जंगल में जो कुछ देखा उसको डायरी में नोट कर लिया।

29 vi|y 2005

आज काफी गर्मी थी। जंगल में आदिवासी महिला–पुरूष और बच्चे शहद आदि इकट्ठा कर रहे थे। मैंने आदिवासियों से बातें की। उन्होंने जंगल के बारे में कई मजेदार बातें बताईं जो मुझे पता नहीं थीं। उन्होंने मुझे कई जंगली पौधों के उपयोग के बारे में बताया। कई सारे जीवों के बारे में भी बताया।

fnukd 20 t|u 2005

आज का दिन बहुत अच्छा रहा। बहुत सारे पेड़–पौधे, कीड़े और पक्षी देखे। उधर एक कीड़ा एक टिड्डे को पकड़कर खा रहा था।

एक चितकबरा पक्षी दिखा जो मछली को पकड़ रहा था। एक चिड़िया का घोंसला भी पहली बार देखा।

21 fl rcj 2006

आज बरसात हो रही थी। जंगल में सभी जीव–जंतु पेड़ों के झुरमुट में दुबके हुए बैठे थे। पेड़–पौधे बरसात की तेज बौछारों को रोक रहे थे। एकदम सन्नाटा था जंगल में। बरसात के कारण जंगल में आदिवासी भी नहीं दिख रहे थे।

D;k re dHkh txy x, gk\

reu txy e D;k&D;k n[kk\

txy dk fp= viuh dkih e cukvkA

चलो, हम छत्तीसगढ़ के जंगलों के बारे में और भी पता करते हैं।

छत्तीसगढ़ में कहीं बहुत घने तो कहीं विरल जंगल हैं। यहाँ कई तरह के पेड़ हैं। इनमें साल, सागौन, महुआ, तेंदू, शीशम, हल्दू, आँवला, बाँस आदि प्रमुख हैं।

lky ¼ljb½ d txy

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर, बस्तर और जशपुर के जंगलों में साल वृक्ष बहुत मिलते हैं। इन इलाकों में ज्यादा बारिश होती है। इसका असर यहाँ उगने वाले पेड़–पौधों पर पड़ता है। वैसे तो यहाँ कई तरह के पेड़ होते हैं पर साल के पेड़ सबसे ज्यादा हैं। इसलिए इन जंगलों की पहचान साल के जंगलों के नाम से होती है। लम्बे–लम्बे वृक्ष साल के जंगलों की पहचान हैं। इसकी छाल काली, कड़ी एवं मुड़ी हुई होती है।

lky dk iM

साल के वृक्षों में मार्च–अप्रैल में पुरानी पत्तियाँ झड़कर नई पत्तियाँ आ जाती हैं। इनकी सारी पत्तियाँ कभी भी एक साथ नहीं झड़ती। इस कारण यह पेड़ वर्ष भर हरा–भरा रहता है इसलिए इस क्षेत्र में वर्ष भर हरियाली एवं ठण्डक रहती है।

साल के वृक्ष को पनपने के लिए दोमट मिट्टी और गर्मी के साथ–साथ अधिक बारिश की जरूरत होती है।

mi;kx

lky o{k d Qy ,o ifRr;k

साल एक इमारती लकड़ी है। यह मजबूत और टिकाऊ होती है, इसलिए इसका उपयोग घर के दरवाजे, खिड़कियाँ और फर्नीचर आदि बनाने में होता है। इसका सबसे अच्छा गुण यह है कि पानी पड़ने पर भी यह जल्दी खराब नहीं होता। इसीलिए पहले इसकी लकड़ी का उपयोग रेल की पटरियाँ बिछाने वाली पटिया (स्लीपर) बनाने में किया जाता था। आजकल सीमेंट–कंक्रीट के स्लीपर बनने लगे हैं। इसके अलावा साल की लकड़ी का उपयोग पुल, नाव, डोंगियों, खेती के औज़ारों को बनाने में भी होता है। इसकी छाल, पत्तियों और टहनियों का चमड़ा उद्योग में इस्तेमाल होता है। पेड़ पर खाँचे बनाकर इसका रस निकाला जाता है इसे ''राल'' कहते हैं। इसका कई तरह से उपयोग होता है, जैसे– धूपबत्ती, कान की बीमारियों की दवाइयों और जूता पॉलिश आदि बनाने में। इसके बीज के तेल से साबुन भी बनाया जाता है।

यदि तुम्हारे आसपास साल का पेड़ हो तो उसकी छाल, पत्तियों, फूल, फल आदि का अवलोकन करो।

dgh lky dh ydMh fey rk mldk voykdu djk vkj crkvk fd bl ydMh dk jx dlk g

---

lky d iM d fofHkUu Hkkxk l D;k&D;k mi;kx fd, tkr g\ tl Nky] cht] Qy] iÙkh vkfnA

---

bldh ydMh l D;k&D;k curk g\ irk djk A

---

lkxku d Qy ,o ifRr;k

lkxku d txy

सागौन के जंगल छत्तीसगढ़ के दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र (बस्तर) में पाए जाते हैं। यह वृक्ष सिर्फ बरसात व उसके बाद कुछ महीनों तक ही हरा–भरा रहता है। सर्दियों के अंत में इसके पत्ते झड़ने लगते हैं और

गर्मियों में इसके पत्ते सूखकर झड़ जाते हैं। इस कारण गर्मी के दिनों में सागौन के जंगल सूखे एवं उजड़े से दिखाई देते हैं।

lkxku o{k d fofHkUu Hkkxk d D;k mi;kx g\ irk djk ,o fy[kkA

बस्तर के जंगलों में साल और सागौन के अलावा शीशम, महुआ, खैर, बीजा, साजा, तेंदू, बाँस, अर्जुन, पलाश, आम, इमली आदि अनेक प्रकार के पेड़ पाए जाते हैं। वनों से प्राप्त वनोपज, जैसे– तेंदूपत्ता, महुआ, इमली, चार आदि यहाँ के लोगों के जीवन यापन का प्रमुख साधन है। छत्तीसगढ़ के जंगल में अनेक प्रकार की वनौषधियाँ पाई जाती हैं इस कारण इसे प्राकृतिक औषधि वाला राज्य (हर्बल स्टेट) कहा जाता है।

lkxku d iM

txy e vkj Hkh dbZ rjg d iM gkrs gA budh ydfM;k] ifÙk;k] Qy] Qy vkfn d mi;kx d ckj e Hkh cMk l irk djk vkj ikIr tkudkfj;k dh rkfydk cukdj mle fy[kk vkj viu f'k{kd dk fn[kkvkA
vc crkvk fd ;fn txy de gk tk,¡ rk ogk jgu oky tkuojk dk D;k gkxk

---

---

viu ?kj d cMk l iNk fd igy d edkcy e txy ?kVk g ;k c< g\ ;fn txy ?kVk g rk &
ogk jgu okyk ij D;k vlj iM jgk g

---

txy d tjrvk ij D;k vlj gk jgk g

क्या तुम जानते हो कि हाथी को उसके दाँतों, गैंडे को सींग, शेर, मगरमच्छ और साँप को उनकी खाल के लिए मार दिया जाता है। हमारे देश में बाघ, हमारे राज्य में राज्य पशु वन भैंसा, राज्य पक्षी पहाड़ी मैंना की संख्या इतनी कम हो गई है कि सरकार इनके साथ–साथ और भी लुप्त होते पशु–पक्षियों को बचाने के लिए बहुत से जंगलों को सुरक्षा दे रही है। इन सुरक्षित जंगलों में लोग जानवरों या जंगल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकते हैं। इन्हें अभ्यारण कहते हैं।

हमारे राज्य में जानवरों की सुरक्षा के लिए अभ्यारण कहाँ–कहाँ हैं? पता करो।

txy dh n[kHkky

जंगल में पेड़ों को काटना मना है। अगर जंगल में आग लग जाए तो काफी नुकसान हो जाता है। इसलिए वन विभाग के कर्मचारी थोड़ी–थोड़ी दूर पर जमीन से घास–फूस की सफाई कर देते हैं। बीच में खाली मैदानी पट्टी बना देते हैं। पेड़ों में कीड़े न लगें इसका भी ध्यान रखा जाता है।

geu D;k lh[kk\

ekf[kd

1. छत्तीसगढ़ के किन–किन जिलों में घने जंगल पाए जाते हैं?
2. साल वृक्ष की लकड़ी के क्या उपयोग हैं?
3. छत्तीसगढ़ के जंगलों में पाए जाने वाले पेड़ों के नाम बताओ?

F3FJKT

fyf[kr

1. साल वृक्ष की क्या विशेषताएँ हैं?
2. छत्तीसगढ़ को प्राकृतिक औषधि वाला राज्य (हर्बल स्टेट) क्यों कहा जाता है?
3. जंगलों में कौन–कौन से जीव–जन्तु पाए जाते हैं?
4. जंगल कम होने से क्या नुकसान हो सकते हैं?
5. छत्तीसगढ़ में पाये जाने वाले साल और सागौन के जंगल एवं पेड़ों की तुलना नीचे दिए शीर्षकों के आधार पर कीजिए –

Ø-	'kh"kd	lky	lkxkSu
1.	जिले जहाँ ये पाए जाते हैं	.....	.....
2.	छाल का उपयोग	.....	.....
3.	लकड़ी का उपयोग	.....	.....
4.	बीज का उपयोग	.....	.....
5.	पतझड़ का मौसम	.....	.....

[kkstk vkl&ikl

1. अपने आस–पास के जंगल में पेड़–पौधे कम होने के कारणों का पता लगाओ।
2. जंगलों में कौन–कौन से जंतु पाए जाते हैं? बड़ों से पता करो।